CUTS International

PRESS RELEASE

CONSUMER UNITY & TRUST SOCIETY - A registered, recognised, non-partisan, non-profit and non-government organisation pursuing social justice and economic equity within and across borders

'कट्स' द्वारा विकसित किये जायेंगे बारह जिलों में आदर्श जैविक ग्राम
'कट्स' द्वारा 'प्रोस्कोप' परियोजना का शुभारम्भ

जयपुर, 13 अप्रेल, 2022।
'कट्स' द्वारा आने वाले समय में बारह जिलों में आदर्श जैविक ग्राम विकसित किये जायेंगे। यह जानकारी कट्स' के निदेशक जॉर्ज चेरियन ने मंगलवार को आयोजित राज्य स्तरीय परियोजना शुभारम्भ बैठक के दौरान दी। जॉर्ज चेरियन ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में बताया कि सर्वाधिक जैविक खेती ऑस्ट्रेलिया में 35.69 मिलियन हैक्टर क्षेत्र में होती है। विश्व में जैविक खेती क्षेत्र में भारत का पांचवा स्थान है। जैविक उत्पादन के क्षेत्र में पूरे देश में मध्य प्रदेश के बाद राजस्थान का दूसरा स्थान है। राजस्थान सरकार द्वारा 2017 में जैविक कृषि नीति लागू की है। चेरियन वर्तमान बजट में राजस्थान सरकार द्वारा घोषित राजस्थान जैविक खेती मिशन एवं जैविक कमोडिटी बोर्ड के निर्णय की प्रशंसा करते हुए बजट में घोषित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में दीपक सक्सेना, सहायक निदेशक ने सभी अतिथियों व संभागियों का स्वागत करते हुए परियोजना का परिचय दिया। 'कट्स' के राजदीप पारीक व अमित बाबू ने परियोजना की आगामी गतिविधियों के बारे विस्तार से बताया। उक्त परियोजना राजस्थान के 12 जिलों जयपुर, दौसा, कोटा, सवाई माधोपुर, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, जोधपुर, डूंगरपुर, झालावाड़ व उदयपुर में संचालित की जाएगी।

कार्यक्रम के शुभारम्भ के अवसर पर मुख्य अतिथि पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त श्री जगदीश पारीक ने अपने उद्बोधन में राज्य में जैविक खेती की बहुत प्रचुर संभावनाए बताईं। उन्होंने बताया कि मानव जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए जैविक खेती अपनाना जरूरी है एवं जीवों की रक्षा करते हुए जैविक खेती की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जैविक खेती में किसान अपनी लगन और मेहनत से अच्छा मुनाफा कमा सकता है। पारीक ने आगे बताया कि भारत सरकार व राजस्थान सरकार दोनों ही जैविक खेती को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। जैविक खेती करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए।

कार्यक्रम में राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्था के निदेशक डॉ. ए.एस. बालोदा ने बताया कि राजस्थान में 'प्रोस्कोप' परियोजना के तहत जो आदर्श जैविक ग्राम बनाये जाएंगे, इससे पूरे प्रदेश में जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा। जैविक खेती में किसानों को सम्पूर्ण भागीदारी रखनी होगी। राज्य में जैविक उत्पादों की गुणवत्ता की जांच के लिए जयपुर स्थित दुर्गापुरा कृषि फार्म में लेबोरेटरी स्थापित की गई है।

हनुमान मल ढाका, अतिरिक्त निदेशक, कृषि विभाग ने अपने उद्बोधन में बताया कि विभाग परम्परागत कृषि विकास योजना के माध्यम से राजस्थान के बहुत से जिलों में किसानों को जैविक खेती की ओर अग्रसर करने के लिए अनुदान दिया जा रहा है। जैविक उत्पादों की मांग बढ़ेगी तो उत्पादन भी धीरे–धीरे बढ़ेगा।

राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार प्राप्त प्रगतिशील किसान सुरेन्द्र अवाना ने बताया कि किसान को अपनी आय बढ़ाने के लिए समन्वित कृषि व्यवस्था से खेती करनी होगी। इसमें खेती के अतिरिक्त अन्य संसाधनों को भी विकसित करना होगा जो कि जैविक खेती में उपयोगी 'कट्स' के कुलदीप पंवार ने संस्था द्वारा संचालित 'फार्मस् प्रोड्यूसर ओर्गेनाईजेशन' परियोजना के तहत की जा रही गतिविधियों की जानकारी दी।

कार्यक्रम में उक्त जिलों के किसान व परियोजना सहयोगियों सहित 60 से अधिक भागीदारों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन निमिषा शर्मा ने किया एवं धर्मेन्द्र चतुर्वेदी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

———————————————————————————————————

CUTS International

PRESS RELEASE

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:
राजदीप पारीक (94616 70755)/धर्मेन्द्र चतुर्वेदी (94142 02868)
'कट्स' सेंटर फॉर कन्ज्यूमर एक्शन, रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग
डी– 218, भास्कर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर– 302 016, भारत
दूरभाष: 91–.5133259, 2282821/2282482 फैक्स: 91–141–4015395
ईमेल: rdp@cuts.org ; dc@cuts.org
वेबसाइट: http:/www.cuts-international.org